चौथे दिन पिच बैटिंग के लिए मुश्किल थी। मैं बल्लेबाजों की ज्यादा गलती नहीं मानूंगा लेकिन मुझे लगता है हमने दूसरे दिन पहली पारी में 70 रन कम बनाए।

- राहुल द्रविड़

टीम इंडिया के हेड कोच, भारत की हार पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

दिव्यांश सिंह पंवार

भारत के दिव्यांश सिंह पंवार ने आईएसएसएफ विश्व कप 2024 में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। रविवार को खेले गये मुकाबले में टोक्यो ओलंपियन दिव्यांश सिंह पंवार ने क्वालिफिकेशन राउंड में 632.4 का स्कोर बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया और हमवतन अर्जुन बाबुता के साथ पदक राउंड के लिए क्वालीफाई किया, जो 630.7 के स्कोर के साथ क्वालीफाइंग राउंड में चौथे स्थान पर रहे। संदीप सिंह 630.4 के स्कोर के साथ सातवें, रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल 629.3 के साथ 11वें स्थान पर रहे।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया के खब्बू स्पिनर फ्लीटवुड स्मिथ ने इंग्लैंड के विरुद्ध 1938 में 37 ओवर में 238 रन पर एक विकेट लिया। ये आज तक एक टैस्ट पारी में किसी भी गेंदबाज द्वारा दिए गये सबसे ज्यादा रन है।

दीपक चाहर आईपीएल के लिए तैयार

बोले- टी-20 वर्ल्ड कप खेलना चाहता हूं, दिसंबर में खेला था आखिरी इंटरनेशनल मैच

नई दिल्ली, 29 जनवरी। दीपक चाहर ने भारत के लिए 47 इंटरनेशनल विकेट लिए हैं। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज दीपक चाहर खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह पिछले दिनों साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेले थे। वह पारिवारिक कारणों से टीम में शामिल नहीं हो सके, उन्होंने कहा कि वह अब फिट हैं और भारत के लिए टी-20 वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं।

चाहर ने साथ ही कहा कि एमएस धोनी अब पूरी तरह फिट हैं और उन्हें 2-3 साल क्रिकेट खेलते रहना चाहिए। चाहर ने भारत के लिए आखिरी टी-20 मुकाबला रायपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला, ये मुकाबला पिछले साल दिसंबर में खेला गया।

दीपक चाहर पिछले 2 महीने से अपने पिता की देखभाल कर रहे थे। जिन्हें दिसंबर में ब्रेन-स्ट्रोक आया था। उनके पिता अब पूरी तरह ठीक हो चुके हैं, लेकिन टीम इंडिया को अब कोई और टी-20 इंटरनेशनल नहीं खेलना है। इसलिए चाहर मार्च में शुरू होने वाले से ही क्रिकेट में वापसी करेंगे। वह 5 बार की चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स टीम का हिस्सा हैं।

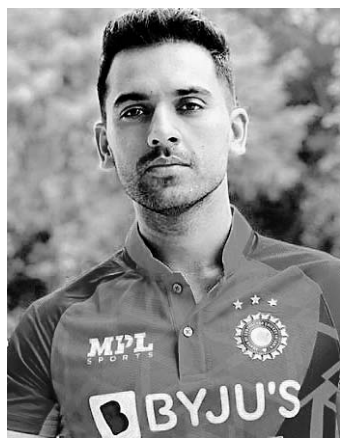

दीपक चाहर ने न्यूज एजेंसी को बताया, मेरे लिए पिता सबसे पहले हैं। मैं यहां तक सिर्फ उनकी वजह से पहुंच पाया हूं। मैंने जो भी अचीव किया, सब उन्हीं के कारण। अगर उनके बुरे समय में मैं उनके साथ नहीं रह सका तो मैं किस तरह का बेटा कहलाऊंगा?

चाहर ने कहा, साउथ अफ्रीका के खिलाफ अगर टी-20 सीरीज भारत में होती तो मैं जरूर खेलता। तब मैं 4-5 घंटे का सफर कर हॉस्पिटल पहुंच सकता था। लेकिन साउथ अफ्रीका से आने में 2-3 दिन तक लग जाते। मेरे लिए पिता के साथ रहना आसान फैसला था, हर बेटा यही करेगा।

मैं अलीगढ़ के हॉस्पिटल में 25 दिन तक अपने पिता के साथ रहा। हम सभी को उनके साथ रहना ही था। मैं उस समय क्रिकेट से पूरी तरह दूर हो गया। फिटनेस पर काम कर रहा था लेकिन बॉलिंग प्रैक्टिस नहीं कर पाया। मैंने एक महीने से प्रैक्टिस नहीं की, इसलिए अफगानिस्तान सीरीज के लिए भी तैयार नहीं था।

चाहर बोले, मैंने (बेंगलुरु) में फिर प्रैक्टिस शुरू की। यहां कुछ दिन रहने के बाद मैं पूरी तरह फिट हो सका। मैंने और वर्ल्ड कप के लिए अच्छी तरह तैयारी कर ली है। मैं इंजरी के कारण पिछले 2 वर्ल्ड कप नहीं खेल सका, अगर फिट रहता तो जरूर दोनों बार खेल पाता। हर टीम को 7, 8 और 9 नंबर पर बैटिंग करने वाले गेंदबाज की जरूरत होती है। मैंने टीम इंडिया के लिए जरूरत पड़ने पर कई बार रन भी बनाए हैं। इसलिए फिट होने पर स्क्वॉड का हिस्सा जरूर रहता।

चेन्नई करेगा रुपे प्राइम वॉलीबाल लीग की मेजबानी

नई दिल्ली, 29 जनवरी। रूपे प्राइम वॉलीबॉल लीग का तीसरा संस्करण 15 फरवरी से चेन्नई में खेला जायेगा जिसमें ट्राफी के लिये नौ टीमें एक दूसरे का मुकाबला करेंगी। अहमदाबाद डिफेंडर्स, बेंगलुरु टॉरपीडो, कालीकट हीरोज, चेन्नई ब्लिट्ज, दिल्ली तूफ़ान्स, हैदराबाद ब्लैक हॉक्स, कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स, कोलकाता थंडरबोल्ट्स और मुंबई मेटियर्स के बीच कड़ी जंग होने के आसार हैं जबकि फाइनल मुक़ाबला एसडीएटी मल्टी-पर्पज इंडोर स्टेडियम में 21 मार्च को खेला जाएगा।

मौजूदा चैंपियन अहमदाबाद डिफेंडर्स 15 फरवरी को टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में मेजबान चेन्नई ब्लिट्ज से भिड़ेंगे, जबकि पिछले साल की उपविजेता बेंगलुरु टॉरपीडोज़ उसी दिन सीज़न एक के विजेता कोलकाता थंडरबोल्ट्स से भिड़ेंगी। रोमांचक चरण 11 से 18 मार्च के बीच होगा, जिसमें लीग चरण की शीर्ष पांच टीमें अंतिम तीन टीमों का निर्धारण करने के लिए राउंड-रॉबिन प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगी। सुपर फाइव में पहले स्थान पर रहने वाली टीम फाइनल के लिए सीधे क्वालीफाई करेगी, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें 19 मार्च को एलिमिनेटर में दो-दो हाथ करेगी।

आईसीसी ने लगाई भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह पर पेनल्टी

नई दिल्ली, 29 जनवरी। रविवार को हैदराबाद में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान बुमराह इंग्लिश बल्लेबाज ओली पोप से जानबूझकर टकरा गए थे। काउंसिल के मुताबिक बुमराह ने कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल-1 का उल्लंघन किया है और इसके लिए उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया है। पेनल्टी के तहत कोई आर्थिक जुर्माना नहीं लगाया गया है।

24 महीने के भीतर 4 डिमेरिट पॉइंट मिलने पर खिलाड़ी पर एक मैच का सस्पेंशन लग जाता है। बुमराह ने अपनी गलती मान ली है और एलीट पैनल ऑफ मैच के रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा उन पर लगाई गई सजा को भी स्वीकार कर लिया है।

घटना टेस्ट के चौथे दिन 81वें ओवर में घटी। इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप ने बुमराह की बॉल पर शॉट लगाने की कोशिश की, गेंद उनके पैड से टकराई और लेग बाई हो गया। जैसे ही वह सिंगल लेने के लिए दौड़े, बुमराह पोप के रास्ते में आ गए। इस दौरान पोप और बुमरा के कंधे टकराए और दोनों के बीच बात भी हुई। बाद में बातचीत जारी रहने के दौरान बुमराह पोप से माफी मांगते नजर आए थे।

कोड ऑफ कंडक्ट के मुताबिक, भले ही अनजाने में भी, लापरवाही से चलने या दौड़ने या किसी अन्य खिलाड़ी को टकराने के अलावा कंधे से कंधा मिलाकर चलने की

अनुमति नहीं है। ऐसा करने पर लेवल-1 का उल्लंघन माना जाता है। वहीं, अंपायर के साथ ऐसा करने पर लेवल-3 का उल्लंघन होता है। लेवल-1 और लेवल-2 के उल्लंघन पर 1 से 2 डिमेरिट पॉइंट्स के साथ शून्य से 50 फीसदी मैच फीस लगती है।

लेवल-3 के उल्लंघन करने पर 6 टेस्ट और 12 वनडे का सस्पेंशन मिलता है। बुमराह पर 1 डिमेरिट पॉइंट का जुर्माना लगाया गया है। इस घटना के बाद बुमराह ने ही पोप का विकेट लिया। चौथे दिन 103वें ओवर में जसप्रीत बुमराह गेंदबाजी करने आए। ओवर की पहली गेंद बुमराह ने स्लोअर फेंकी। इसे पोप जज नहीं कर पाए और फुल लेंथ पर आई बॉल पर रिवर्स स्कूप मिसटाइम कर दिया। बॉल उनके बल्ले से नहीं लगी और सीधे ऑफ स्टंप पर लग गई। दूसरी पारी में पोप बोल्ड हो गए। इसी के साथ इंग्लैंड की दूसरी पारी भी समाप्त हो गई।

भारत जमैका को रौंदकर एफआईएच हॉकी5एस पुरुष विश्वकप के क्वार्टरफाइनल में

मस्कट, 29 जनवरी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम सोमवार को एफआईएच हॉकी5एस पुरुष विश्वकप 2024 के अपने तीसरे और अंतिम पूल बी मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जमैका को 13-0 से रौंदकर टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई है। आज यहां खेले गये मुकाबले में भारत ने शुरू से ही आक्रामक खेल का मुजाहिरा करते हुए मैच के दूसरे ही मिनट में दो गोल दाग दिये। ये दोनों गोल मनिंदर सिंह ने किए। उसके बाद उत्तम सिंह और मंजीत ने भी एक-एक गोल दाग दिये। जिससे खेल के पहले छह मिनट के भीतर भारत ने 4-0 का स्कोरकर मैच पर मजबूत बढ़त बना ली। बढ़त के बावजूद भारत ने लगातार हमलावर रूख का अख्तियार करते हुए जमैका की रक्षा पर लगातार दबाव बनाए रखा। इसका फायदा उठाते हुए पवन राजभर ने नौवें मिनट और गुरजोत सिंह ने 14वें मिनट में गोलकर हाफटाइम ब्रेक तक स्कोर 6-0 कर दिया। दूसरे हाफ में भी भारत ने आक्रामक रणनीति बनाए रखी। इस दौरान मोहम्मद राहील ने 16वें, 27वें मिनट में, मनदीप मोर ने 23वें, 27वें मिनट में, मंजीत ने 24वें मिनट में और मनिंदर सिंह ने 28वें, 29वें मिनट में गोलकर स्कोर 13-0 कर मुकाबला जीत लिया। इसीके साथ ही भारतीय टीम टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। उल्लेखनीय है कि भारत ने रविवार को अपने शुरुआती दो पूल बी मैचों में मिस्त्र से हारने से पहले स्विट्जरलैंड को हराया था। क्वार्टरफाइनल 30 जनवरी को खेला जायेगा।

दिव्यांश सिंह पंवार ने विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ जीता स्वर्ण पदक

काहिरा, 29 जनवरी। भारत के दिव्यांश सिंह पंवार ने आईएसएसएफ विश्व कप 2024 में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। रविवार को खेले गये मुकाबले में टोक्यो ओलंपियन दिव्यांश सिंह पंवार ने क्वालिफिकेशन राउंड में 632.4 का स्कोर बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया और हमवतन अर्जुन बाबुता के साथ पदक राउंड के लिए क्वालीफाई किया, जो 630.7 के स्कोर के साथ क्वालीफाइंग राउंड में चौथे स्थान पर रहे। संदीप सिंह 630.4 के स्कोर के साथ सातवें, रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल 629.3 के साथ 11वें स्थान पर रहे। फाइनल में, दिव्यांश सिंह पंवार 253.7 के स्कोर के साथ एक बार फिर शीर्ष पर रहते हुए एक वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर बनाया। इटली के डेनिलो डेनिस सोलाज़ो ने 251.8 के साथ रजत पदक जीता, जबकि सर्बियाई निशानेबाज लज़ार कोवासेविक को 230.6 के साथ कांस्य पदक मिला। अर्जुन बाबुता 166.1 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहे। एक अन्य मुकाबले में सोनम उत्तम मस्कर ने अपने पहले आईएसएसएफ विश्व कप में प्रतिस्पर्धा करते हुए मिस्त्र अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक सिटी शूटिंग रेंज में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। सोनम ने फाइनल में 252.1 का स्कोर किया और जर्मनी की अन्ना जानसेन से 0.9 पीछे रहीं। पोलैंड की एनेटा स्टैंकीविक्ज़ (230.4) ने भारत की नैंसी (209.5) को पीछे छोड़ते हुए कांस्य पदक जीता। सोनम और नैन्सी ने क्रमशः 632.7 और 633.1 के स्कोर के साथ फाइनल में जगह बनाई थी और 60-शॉट क्वालिफिकेशन राउंड को क्रमशः पांचवें और चौथे स्थान पर समाप्त किया था। भारत की तिलोत्तमा सेन 627.6 के स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में 29वें स्थान पर थीं, जबकि आरपीओ के लिए खेल रही रमिता 632.0 के स्कोर के साथ 10वें स्थान पर रहीं। दो स्वर्ण और तीन रजत के साथ भारत पहले आईएसएसएफ विश्वकप की पदक तालिका में शीर्ष पर है।

दूसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया को दो बड़े झटके

जडेजा और राहुल चोट के कारण बाहर सरफराज और सौरभ कुमार को मौका

नई दिल्ली, 29 जनवरी। रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में 3 और दूसरी पारी में 2 विकेट लिए थे। इंग्लैंड के खिलाफ 2 फरवरी से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच से पहले टीम इंडिया को दो बड़े झटके लगे हैं। लेफ्ट आर्म स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और बल्लेबाज केएल राहुल चोट के कारण बाहर हो गए हैं। चयनकर्ताओं ने सौरभ कुमार, सरफराज खान और वॉशिंगटन सुंदर को स्क्वॉड में शामिल करने का फैसला किया है। पांच मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में भारत को 28 रन से हार झेलनी पड़ी थी। जडेजा और राहुल इसी मैच के दौरान चोटिल हुए।

हैदराबाद में पहले टेस्ट के चौथे दिन जडेजा को हैमस्ट्रिंग में खिंचाव महसूस हुआ। पैर का स्कैन कराने के बाद उनकी रिपोर्ट्स आनी बाकी है। वहीं, केएल राहुल को थाई में दर्द की शिकायत है। इस कारण उन्हें भी दूसरे टेस्ट में आराम दिया गया है। रवींद्र जडेजा हैदराबाद टेस्ट के चौथे दिन इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स के डायरेक्ट हिट से रन आउट हो गए। पवेलियन लौटने के दौरान उन्हें चलने में दिक्कतें हुईं। मैच खत्म होने के बाद जडेजा ने हैदराबाद में ही अपने पैर का स्कैन करवाया। जडेजा की स्कैन रिपोर्ट मुंबई

इंस्टीट्यूट भेजी गई है, जहां सारे प्लेयर्स की स्कैन रिपोर्ट भेजी जाती है।

रिपोर्ट आने के बाद ही कन्फर्म हो पाएगा कि जडेजा एक टेस्ट से बाहर होंगे या पूरी सीरीज से। जडेजा की जगह स्क्वॉड में शामिल किए गए सौरभ कुमार भी लेफ्ट आर्म स्पिन बॉलर और उपयोगी बल्लेबाज हैं। घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए खेलने वाले सौरभ ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अब तक 68 मैच खेले हैं। इनमें उन्होंने 290 विकेट लेने के साथ-साथ 2061 रन भी बनाए हैं। सौरभ कुमार ने 24-27 जनवरी के बीच इंग्लैंड-ए के खिलाफ पहली पारी में 77 रन बनाए और मैच में 6 विकेट लिए थे।

मुंबई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले सरफराज खान ने अब तक 45 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं। मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज सरफराज ने फर्स्ट क्लास में 45 मैचों में करीब 70 की औसत से 3912 रन बनाए हैं। इसमें 14 शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं। वॉशिंगटन सुंदर पहले भी टीम इंडिया की ओर से टेस्ट मैच खेल चुके हैं। ऑफ स्पिन ऑलराउंडर सुंदर ने अब तक 4 टेस्ट मैचों में 6 विकेट लिए हैं और 265 रन बनाए हैं।

जडेजा की जगह कुलदीप यादव को भी दूसरे टेस्ट की प्लेइंग-11 में जगह मिल सकती है। कुलदीप स्क्वॉड में शामिल चौथे स्पिनर हैं, उन्हें पहले टेस्ट की प्लेइंग-11 में शामिल नहीं किया गया था। पहले टेस्ट में टीम ने जडेजा के साथ अक्षर पटेल और रविचंद्रन अश्विन को बतौर स्पिनर मौका दिया था।

टीम इंडिया सोमवार को हैदराबाद में ही रहेगी, जहां पहले टेस्ट के पांचवें दिन का खेल होना था। मंगलवार को दोनों टीमें विशाखापट्टनम के लिए रवाना होंगी। जहां सीरीज का दूसरा टेस्ट 2 फरवरी से खेला जाएगा। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट 28 रन से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। वेस्टइंडीज ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक जीत हासिल की। टीम ने कंगारुओं को ब्रिसबेन के द गाबा मैदान पर 36 साल बाद 8 रन से टेस्ट हरा दिया।

विंडीज ने 27 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट जीत हासिल की। इस जीत की इबारत लिखी गुयाना के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ ने, जो एक साल पहले तक सिक्योरिटी गार्ड बनकर जीवन गुजार रहे थे। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 28 रन से हार गई है। इस हार के बाद मेजबान सीरीज में 0-1 से पिछड़ गए हैं।

पहली पारी में 70-80 रन कम बनाए : द्रविड़

इंग्लैंड ने 28 रन से हैदराबाद टेस्ट हराया, स्टोक्स ने कहा, उनकी सबसे बड़ी जीत

नई दिल्ली, 29 जनवरी। टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि टीम पहली पारी में 70-80 रन कम बनाने के कारण हारी। भारत ने हैदराबाद टेस्ट की पहली पारी में 190 रन की बढ़त बनाने के बावजूद 28 रन से मुकाबला गंवा दिया। दूसरी ओर, रविवार को मैच के बाद इंग्लैंड टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि ये उनके कप्तानी करियर की सबसे बड़ी जीत है। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट की सीरीज का दूसरा मुकाबला 2 फरवरी से विशाखापट्टनम में खेला जाएगा।

द्रविड़ ने कहा, चौथे दिन पिच बैटिंग के लिए मुश्किल थी। मैं बल्लेबाजों की ज्यादा गलती नहीं मानूंगा लेकिन मुझे लगता है हमने दूसरे दिन पहली पारी में 70 रन कम बनाए, उस वक्त पिच बैटिंग के लिए अच्छी थी। बैटर्स ने अच्छी शुरुआत की लेकिन कोई भी बड़ा स्कोर नहीं बना सका। किसी ने शतक नहीं लगाया, कोई बड़ी पारी नहीं खेल सका। इसलिए हम पहली पारी में 70-80 रन से पीछे रह गए। टीम इंडिया ने पहली पारी में 436 रन बनाकर 190 रन की बढ़त बनाई थी। इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 420 रन बनाए। द्रविड़ बोले- हमारे पास 231 रन का टारगेट नहीं होना चाहिए था। पोप ने बेहतरीन पारी खेलकर इंग्लैंड को इतने बड़े स्कोर तक पहुंचा दिया। उन्हीं की पारी दोनों टीमों के बीच अंतर रही। उन्होंने रिस्की शॉट्स खेले और लगातार रन बनाए। उस तरह की पिच पर 196 रन बनाना शानदार है, वो भी तब जब टीम का कोई और बैटर फिफ्टी भी नहीं लगा सका। मैंने किसी टीम को इतने शानदार स्वीप और रिवर्स स्वीप खेलते नहीं देखा। क्वालिटी बॉलिंग लाइन-अप के सामने ऐसे शॉट्स खेलना मुश्किल रहता है। हम अब इन शॉट्स के खिलाफ बेहतर प्लान के साथ बॉलिंग करेंगे।

द्रविड़ ने कहा, लेफ्ट आर्म स्पिनर के खिलाफ चौथे दिन की पिच पर पैरों का इस्तेमाल करना रिस्की होता है। इन कंडीशन में स्वीप और रिवर्स स्वीप से ही ज्यादा रन बनते हैं। हम आगे के मैचों में बेहतर प्लान के साथ बैटिंग पर भी ध्यान देंगे। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि ये उनके कप्तानी करियर की सबसे बड़ी जीत है। स्टोक्स ने जून 2022 में इंग्लैंड टेस्ट टीम की कमान संभाली थी। वह बोले, मेरी कप्तानी में हमने कई बेहतरीन मैच जीते, कुछ मैच तो बहुत ही शानदार रहे। लेकिन इस बार जिस तरह की टीम और पिच के खिलाफ खेलकर हम जीते, 100 यह ही मेरी कप्तानी में सबसे बड़ी जीत है।

श्रीलंका टेस्ट के लिए अफगानिस्तान स्क्वॉड का ऐलान

राशिद खान को इस प्लेयर ने किया रिप्लेस, दो नए नाम भी शामिल

नई दिल्ली, 29 जनवरी। अफगानिस्तान ने सोमवार को श्रीलंका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए 16 सदस्यीय स्क्वॉड की ऐलान किया है। अफगानिस्तन की कमान हशमतुल्लाह शाहिदी ही संभालेंगे। वहीं, धाकड़ स्पिनर राशिद खान पीठ की सर्जरी से पूरी तरह रिकवर नहीं हो पाए हैं। ऐसे में राशिद के रिप्लेसमेंट के रूप में स्पिन ऑलराउंडर कैस अहमद को शामिल किया गया है। 23 वर्षीय कैस ने करियर में अभी तक सिर्फ एक टेस्ट खेला है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज नवीद जादरान और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद इशाक को पहली बार टेस्ट टीम में चांस मिला है। दोनों ने पिछले साल अहमद शाह अब्दाली फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट, अफगान अब्दालयान के ओमान दौरे और हाल ही में आयोजित गाजी अमानुल्लाह खान लिस्ट ए टूर्नामेंट में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इसके अलावा, नूर अली जादरान को घरेलू प्रतियोगिताओं में हालिया शानदार प्रदर्शन के आधार पर चुना गया है। 35 वर्षीय नूर अफदानिस्तान के लिए 51 वनडे और 23 टी20 इंटरनेशनल खेल चुके हैं। अफगानिस्तान टीम पहली बार श्रीलंका से टेस्ट में भिड़ने जा रही है। यह अफगानिस्तान का कुल आठवां टेस्ट होगा। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के अध्यक्ष मीरवाइज अशरफ ने कहा, श्रीलंका के खिलाफ अपना पहला टेस्ट खेलना काफी सुखद है। श्रीलंका का टेस्ट क्रिकेट खेलने का एक समृद्ध इतिहास है।

// डीन एल्गर ने किया सनसनीखेज दावा //

विराट कोहली ने इस हरकत के लिए मुझसे माफी मांगी थी

नई दिल्ली, 29 जनवरी। साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान डीन एल्गर ने विराट कोहली के साथ हुई अपनी पहली मुलाकात को लेकर एक सनसनीखेज दावा किया है। एल्गर ने कहा कि जब वह 2015 में अपने पहले भारत दौरे पर आए थे, तब कोहली ने उनपर थूका था। उन्होंने कहा कि कोहली ने बाद में अपनी इस हरकत के लिए माफी मांगी थी। बता दें कि एल्गर ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट लिया है। उन्होंने केपटाउन में भारत के खिलाफ अपना आखिरी टेस्ट खेला। उन्होंने 2012 में इंटरनेशनल डेब्यू किया और 86 टेस्ट में 5347 रन बनाए।

एल्गर ने बेटवे साउथ अफ्रीका पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान पहली बार कोहली के खिलाफ खेलने की कहानी बताई। दरअसल, एल्गर से सवाल किया गया कि क्या आपकी कभी कोहली और आर अश्विन से लड़ाई हुई? इसके जवाब में पूर्व बल्लेबाज ने कहा, पहली बार कोहली और मेरा आमना-सामना भारत में हुआ। मैं बैटिंग करने आया और अश्विन के खिलाफ अपनी पकड़ बनाए रखना चाहता था। जडेजा और कोहली ने मुझ पर थूका। मैंने उनसे कहा कि अगर तुमने ऐसा किया तो मैं तुम्हें इस बल्ले से मारूंगा। एल्गर से जब यह पूछा गया कि क्या कोहली को लोकल स्लैंग के बारे में पता था? पूर्व कप्तान ने कहा कि उन्हें मालूम था क्योंकि साउथ अफ्रीका के एबी डिविलियर्स आरसीबी में उनके साथ खेलते थे।

गुयाना के सिक्योरिटी गार्ड ने तोड़ा ऑस्ट्रेलिया का घमंड

स्टार्क की यॉर्कर से अंगूठा टूटा, हॉस्पिटल गए, इलाज कराया, 7 विकेट लेकर वेस्टइंडीज को जिताया

ब्रिसबेन, 29 जनवरी। वेस्टइंडीज ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक जीत हासिल की। टीम ने कंगारुओं को ब्रिसबेन के द गाबा मैदान पर 36 साल बाद 8 रन से टेस्ट हरा दिया। विंडीज ने 27 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट जीत हासिल की। इस जीत की इबारत लिखी गुयाना के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ ने, जो एक साल पहले तक सिक्योरिटी गार्ड बनकर जीवन गुजार रहे थे।

रविवार को इस गेंदबाज ने पैर के चोटिल अंगूठे के साथ बॉलिंग की और 7 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। एक दिन पहले मिचेल स्टार्क की यॉर्कर उनके अंगूठे पर लगी और वह पिच पर गिरकर तड़पने लगे थे। शमार को मजबूरन रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा और उन्हें साथी प्लेयर्स कंधे के सहारे मैदान से बाहर ले गए।

इंजरी के अगले दिन कप्तान क्रैग ब्रैथवेट ने शमार को मैच खेलने से मना कर दिया। उन्होंने कह दिया कि शमार अपनी टेस्ट जर्सी हॉस्पिटल में ही छोड़कर मैच देखने आए। मैदान में अपनी टीम को हारते देख शमार माने नहीं। उन्होंने एक्स्ट्रा प्लेयर जाचरी मैक्कास्की की जर्सी पहनी, टेप से उनका नाम छिपाया और खेलने उतर गए।

216 के टारगेट में ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट पर 113 रन बना लिए थे। शमार जोसेफ ने 7 ओवर में 6 विकेट लिए और स्कोर 8 विकेट के नुकसान पर 175 रन कर दिया। उन्होंने जोश हेजलवुड को बोल्ड कर ऑस्ट्रेलिया को 10वां झटका भी दिया और वेस्टइंडीज को 8 रन से रोमांचक टेस्ट जिता दिया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वेस्टइंडीज का पहला टेस्ट एडिलेड में 17 जनवरी से खेला जाना था। शमार ने मैच के पहले ही आर्म गार्ड खरीदा। उन्होंने कहा था कि स्टार्क, हेजलवुड और कमिंस जैसे पेसर्स से बचने के लिए प्रोटेक्शन की जरूरत तो पड़ेगी ही।

एडिलेड में शमार ने डेब्यू किया और नंबर-11 पर बैटिंग करते हुए पहली ही पारी में 41 बॉल पर 36 रन बना दिए। उन्होंने 3 चौके और एक सिक्स लगाया। टेस्ट के पहले ही दिन उन्हें बॉलिंग का मौका मिला और उन्होंने पहली ही बॉल पर दिग्गज स्टीव स्मिथ को स्लिप में कैच आउट करा दिया।

स्मिथ के विकेट के बाद शमार ने मार्नस लाबुशेन, कैमरन ग्रीन, मिचेल स्टार्क और नाथन लायन को भी पवेलियन भेजा। उन्होंने डेब्यू टेस्ट की पहली पारी में 5 विकेट लिए लेकिन अपनी टीम को जीत के करीब नहीं पहुंचा सके। ऑस्ट्रेलिया ने पहला टेस्ट 10 विकेट से जीता क्योंकि शमार ने दूसरी पारी में 12 बॉल पर 15 रन बनाकर अपनी टीम को पारी की हार से बचाया था। शमार ने फिर दूसरे टेस्ट में कुल 8 विकेट लेकर टीम को जिताया और 2 टेस्ट की सीरीज 1-1 से ड्रॉ करा दी। 2 मैच में 13 विकेट लेने के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिला। वह दूसरे टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे।

24 साल के शमार जोसेफ 3 बहनों और 5 भाइयों के परिवार में पले-बढ़े। वह गुयाना आईलैंड में बाराकारा के एक छोटे से समुदाय से आते हैं। यहां लगभग 350 लोग ही रहते हैं। यहां शहर से नाव के सहारे ही पहुंचा जा सकता है।